Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN: 2581-6241
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 5.146
Volume - 5, Issue - 6, JUNE - 2022 Publication Date: 30/06/2022

DOIs:10.2018/SS/202206015 --:-- Research Article

जोधपुर (राजस्थान) में होटल उद्योग के कर्मचारियों में तनाव की समस्याओं का अध्ययन

डॉ. धीरज जैन
व्यावसायिक प्रशासन विभाग, वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन संकाय
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज)
Email: jdhiraj937@gmail.com

सारांश : जोधपुर में होटल उद्योग के कर्मचारियों की पृष्ठभूमि एवं वर्तमान स्थिति का अध्ययन करते हुए शोध अध्ययन में सम्मिलित कर्मचारियों में तनाव का सामान्य परिचय दिया गया है। भारत पूरी दुनिया में अपने आतिथ्य के लिए प्रसिद्ध है और अतिथि को भारत में भगवान के रूप में माना जाता है। भारत में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए "अतिथि देवो भवः" और "अतुल्य भारत" की अवधारणा के आधार पर कई अभियान शुरू किया गये थे।

जोधपुर शहर में मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस, मंडोर गार्डन, जसवंत थड़ा, समेत कई पर्यटन स्थल हैं। राजकीय संग्रहालय, घंटाघर, महामंदिर मंदिर, कायलाना झील, माचिया सफारी पार्क, सरदार समंद झील, धवा वन क्षेत्र, उम्मेद उद्यान (चिड़ियाघर) आदि। जोधपुर शहर मेहरानगढ़ किले की तलहटी में स्थित है। किले की प्राचीर से पुराना और नया शहर दिखाई देता है। शहर के सामने उम्मेद भवन पैलेस स्थित है जो कि भारत में एक विशाल और भव्य महल है जिसमें पांच सितारा होटल संचालित हैं।

वर्तमान में होटल उद्योग के कर्मचारियों में तनाव एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, इसी तरह, होटल उद्योग के कर्मचारियों में लोगों के साथ समस्याएं, पारस्परिक तनाव, कर्मचारियों की नौकरी से संतुष्टि और तकनीकी समस्याओं, काम के भार की समस्याओं, वैकल्पिक रोजगार, नौकरी छोड़ने पर विचार करने की काफी अधिक संभावना थी। काम पर अपेक्षाकृत अधिक तनाव की शिकायत करने वाले होटल कर्मचारी अपनी नौकरी से कम संतुष्ट थे और वैकल्पिक रोजगार का विचार करने की अधिक संभावना रखते हैं नौकरी छोड़ने पर, बल्कि उनके स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभावों का अनुभव होने की अधिक संभावना है। अत: ये मुद्दे होटल परिचालन में संभावित तनाव वृद्धि के कारण होटल उद्योग के लिए चिंता का विषय हैं। फिर भी होटल उद्योग प्रबन्धन कर्मचारियों में तनाव की समस्याओं से ग्रस्त है जिनके सामयिक समाधान से होटल उद्योग के तीव्र विकास एवं विस्तार का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

कुंजी शब्द : होटल उद्योग, पर्यटन, कर्मचारी , तनाव, परिचालन, प्रबन्धन, वैकल्पिक रोजगार ।

1. प्रस्तावना :

लगभग उन्नीसवीं सदी के मध्य तक अधिकांशत: यात्राएं सड़क मार्ग से देशों के भीतर ही धार्मिक उद्देश्यों से की जाती थी पहले यात्राएं बहुत ही कम और अपेक्षाकृत संपन्न लोगों द्वारा ही की जाती थी | भारत सदैव अतिथियों के लिए अनुकूल स्थान माना जाता रहा है। 'अतिथि देवो भव:"अर्थात "अतिथि देवता रूपी होता सदियों से भारत देश का आदर्श रहा है। प्राचीनकाल में होटल व्यवस्था नहीं थी तब यात्रियों के लिए धर्मशालाओं, सरायों तथा मुसाफिरखानों में आवास आदि की सुविधाएँ थी और अतिथियों के भोजन आवास की आवश्यकताएं गृह स्वामियों द्वारा पूरी की जाती थी। धर्मशालाओं तथा सड़कों का निर्माण, वृक्षारोपण, पेयजल की व्यवस्था आदि राजाओं द्वारा की जाती थी। मुस्लिम शासकों ने सराय निर्माण कराया | सभ्यता के विकास तथा औद्योगिकीकरण के साथ-साथ आवास का भी निर्माण होता गया। आजादी से पहले, भारत पर राजवंशों का शासन था। राजवंशों में शासकों ने भारत के अलग-अलग हिस्सों में धर्मशालाओं, सरायों तथा मुसाफिरखानों, विश्रामघरों, स्मारकों, उद्यानों, बड़े घरों (हवेलियों), झीलों और तालाबों आदि का निर्माण करवाया।

2. परिकल्पना :

जोधपुर में होटल उद्योग आज तेजी से बढ़ रहा है।
होटल उद्योग, पर्यटन और आर्थिक विकास में सकारात्मक संबंध।
जोधपुर के पर्यटन विकास में होटल उद्योग अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।
होटल उद्योग को तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्र के रूप में जाना जाता है।
होटल उद्योग में बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार के अवसर हैं।
होटल उद्योग ग्राहक-उन्मुख सेवा क्षेत्र है।
होटल उद्योग में कर्मचारियों का तनाव एक महत्वपूर्ण मुद्दा है
ग्राहक-उन्मुख क्षेत्रों में काम का तनाव एक विशेष समस्या है
कर्मचारियों में तनाव को होटल उद्योग की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में देखा जाता है

3. भारत में होटल उद्योग का विकास:-

भारत पूरी दुनिया में अपने आतिथ्य के लिए प्रसिद्ध है और अतिथि को भारत में भगवान के रूप में माना जाता है। भारत में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए "अतिथि देवो भवः" और "अतुल्य भारत" की अवधारणा के आधार पर कई अभियान शुरू किया गये थे।

भारत में व्यावसायिक होटल उद्योग की स्थापना अंग्रेजों ने कलकत्ता, मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों में ब्रिटिशकाल में की थी। शिमला और मसूरी के पहाड़ी रिसॉर्ट भी गर्मियों में ठंडे गंतव्य पर्यटकों के लिए होटलों की स्थापना के साक्षी हैं। अठारहवीं शताब्दी की शुरुआत में बनाए गए होटलों में 1840 में पाश्चात्य शैली के प्रथम होटल का निर्माण मुंबई में पलोनजी पेसटोनजी ने करवाया था, जिसे ब्रिटिश होटल के नाम से जाना जाता है। 1861 में चेल्स विले और 1895 में मसूरी में सेवॉय शामिल हैं। शिमला में क्लार्क्स होटल की स्थापना 1898 में हुई थी

भारतीय होटल उद्योग के इतिहास में 20 वीं शताब्दी परिवर्तन का काल था। बड़े बडे व्यावसायिक घरानों और कॉर्पोरेट जगत के उद्यमियों ने इस अवधि में होटल क्षेत्र में प्रवेश किया। मुंबई में टाटा घराने के संस्थापक जमशेदजी टाटा ने 1903 में भव्य पैमाने पर होटल की स्थापना की और यह होटल भारत में भारतीय उद्यमी द्वारा बनाया जाने वाला पहला होटल था। 1934 में, ओबेरॉय होटल के संस्थापक राय बहादुर मान सिंह ने शिमला और दिल्ली में क्लार्क्स हॉट एल (जिसे पहले कार्लटन होटल के नाम से जाना जाता था) का अधिग्रहण किया और 1938 में; उन्होंने कलकत्ता के ग्रांड होटल का अधिग्रहण किया था ।

भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता के बाद, विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के लिए होटल बनाने की आवश्यकता को पहचाना और इस कारण पहली सरकार द्वारा निवेशित होटल नई दिल्ली में होटल अशोका थी। आजादी के बाद भारत ने आर्थिक मोर्चे पर जबरदस्त विकास देखा। भारत सरकार ने पूरे भारत में होटलों की स्थापना और संचालन के उद्देश्य से 1966 में भारतीय पर्यटन विकास निगम (ITDC) की स्थापना की

3.1 राजस्थान में पर्यटन

राजस्थान, क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य, भारत के उत्तर पश्चिम भाग में स्थित है। राजस्थान का भौगोलिक क्षेत्र भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 11% है। राजस्थान का पश्चिमी भाग सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। राज्य अपनी उत्तर-पश्चिमी और पश्चिमी सीमा पाकिस्तान के साथ साझा करता है जो लगभग 1,070 किमी तक फैली हुई है और बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर और गंगानगर आदि जिलों को छूती है ।

राजस्थान को पहले "राजपूताना" के रूप में जाना जाता था, और 'राजपूतों' का शासन था। पूर्व के दौरान राजपुताना, शासकों ने किलों, मंदिरों, तालाबों, झीलों के निर्माण में गहरी रुचि दिखाई तत्कालीन राजपुताना के शासकों की शाही जीवन शैली दुनिया भर में प्रसिद्ध है। राजस्थान में समृद्ध संस्कृति, विरासत है और मेहमानों की सेवा करने के अपने मेहमान नवाजी तरीके के लिए जाना जाता है और यहां लोग सबसे अच्छी सेवा देते हैं।

दुनिया में राजस्थान सबसे खूबसूरत यात्रा स्थलों के रूप में भी जाना जाता है । राजस्थान 'स्वर्ण त्रिभुज' का हिस्सा है और भारत आने वाला हर तीसरा विदेशी पर्यटक राजस्थान के खूबसूरत पर्यटन स्थलों की यात्रा करता है।

3.2 जोधपुर में पर्यटन

जोधपुर विशाल थार के मरूस्थल का प्रवेश द्वार है। यहां शहर के सभी मकान हल्के नीले रंग में रंगे दिखाई देते हैं, जैसे आसमान जमीन पर उतर आया है । लाल रंग के पत्थरों से निर्मित समृद्ध किला और उसके पास सफेद चमकता जसवन्त थड़ा। किले, महल, हवेलियाँ, मंदिर और बहुत सारे पर्यटन स्थल जोधपुर को पर्यटकों में लोकप्रिय बनाते हैं। ब्लू सिटी के नाम से विख्यात जोधपुर राजस्थान का दूसरा बड़ा शहर है। यहाँ अधिकांश महलों, मंदिरों, हवेली और यहां तक कि घरों को भी नीले रंग से रंगा गया है। सूर्य यहाँ वर्ष भर अपनी विशेष चमक दमक दिखाता है इस कारण जोधपुर को 'सूर्य नगरी' के नाम से भी लोकप्रिय व विख्यात है। विशाल मेहरानगढ़ का भव्य किला जोधपुर को एक अलग ही पहचान देता है जो कि एक पहाड़ी चट्टान पर विद्यमान है। किले के बाहर तलहटी में शहर बसा हुआ है, इस कारण जोधपुर में पारंपरिक और आधुनिकता का एक सुंदर सम्मिश्रण नजर आता है। राव जोधा ने 1459 ईस्वी में जोधपुर शहर का निर्माण किया। मारवाड़ी की प्राचीन राजधानी, मण्डोर के स्थान पर जोधपुर को बनाये जाने के भी उल्लेख मिलते हैं। जोधपुर और आस पास के क्षेत्र के लोगों को आज भी मारवाड़ी के नाम से जाना पहचाना जाता है।

जोधपुर शहर में मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस, मंडोर गार्डन, जसवंत थड़ा, समेत कई पर्यटन स्थल हैं। राजकीय संग्रहालय, घंटाघर, महामंदिर मंदिर, कायलाना झील, माचिया सफारी पार्क, सरदार समंद झील, धवा वन क्षेत्र, उम्मेद उद्यान (चिड़ियाघर) आदि। जोधपुर शहर मेहरानगढ़ किले की तलहटी में स्थित है। किले की प्राचीर से पुराना और नया शहर दिखाई देता है। शहर के सामने उम्मेद भवन पैलेस स्थित है जो कि भारत में एक विशाल और भव्य महल है जिसमें पांच सितारा होटल संचालित हैं।

3.3 राजस्थान में पर्यटन विकास संस्थान

राजस्थान पर्यटन विकास निगम लि.- 1 अप्रैल, 1979 को राजस्थान में पर्यटन को बढावा देने तथा पर्यटकों को आवास, भोजन, यातायात आदि सुविधाएं उपलब्ध के उद्देश्य से इसकी स्थापना की गई।

राजस्थान राज्य होटल निगम लि.– यह राज्य में पर्यटकों को आवास व भोजन सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु होटल की स्थापना व रखरखाव करने के उद्देश्य से जयपुर में 1965 में स्थापित राज्य सरकार का उपक्रम है।

राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट- इसकी स्थापना 29 अक्टूबर, 1996 में जयपुर में की गई। यह एक स्वायत्तशासी संस्थान है।

3.4 होटल उद्योग

(i) होटल, अंतर्राष्ट्रीय, वाणिज्यिक, रिसार्ट, रोटेल, तैरता होटल, हेरिटेज होटल, बोर्डिंग हाउस

(ii) मोटल, पर्यटक कैबिनेट, पर्यटक कोर्ट, सड़क किनारे, सिटी मोटल, रिसोर्ट प्रॉपर्टीज
(iii) सराय, पर्यटक बंगला, डाक बंगला, सर्किट हाउस, शयनागार, रेलवे विश्राम कक्ष, यात्री लॉज, विला, पेइंग गेस्ट आवास सुविधा, यूथ हॉस्टल
(iv) संयुक्तफ्लैट, आलटाइम शेयरिंग फ्लैट, होटल, मेंशन, पैराडोंस, कैंपिंग ग्राउंड, फार्म हाउस, न्यूरोटेल, अपार्ट होटल सुविधाएं आदि।
(v) सड़कों अथवा राजमार्गों के किनारे अवस्थित मोटल ये शहर के बाहर मुख्य राजमार्ग के किनारे ग्रामीण क्षेत्रों और मुख्यतः महत्वपूर्ण सड़कों के मिलन स्थलों पर अवस्थित होते हैं।

3.5 होटल उद्योग के कर्मचारियों में तनाव

वर्तमान में होटल उद्योग के कर्मचारियों में तनाव एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, और यह प्रबंधन और कर्मचारियों के लिए समान रूप से महंगा है। हालांकि तनाव को संबोधित करना और कम करना दोनों एक महान लक्ष्य है और नियोक्ताओं के लिए खर्च में कमी लाने में सक्षम है, आतिथ्य कर्मचारियों के तनाव की प्रकृति को पूरी तरह से नहीं समझा गया है । अध्ययन में होटल कर्मचारियों के काम बीच के तनाव को पहचानना और पता लगाना है, और ये तनाव किस कारण होते हैं। पहले के शोध को देखते हुए कि होटल उद्योग में यह अध्ययन उन परिकल्पनाओं का भी अध्ययन करता है जो यह जांचती हैं कि ग्राहक सेवा क्षेत्रों में कार्यस्थल पर क्या अतिथि-संबंधी तनाव, लिंग और वैवाहिक स्थिति, शारीरिक स्वास्थ्य लक्षणों, यह नौकरी के प्रकार (प्रबंधकों या कर्मचारी के काम), नौकरी से संतुष्टि, अधिक काम के घंटे और तकनीकी समस्या के आधार पर काम के तनाव के मुद्दे होटल परिचालन में संभावित तनाव वृद्धि के कारण होटल उद्योग के लिए चिंता का विषय हैं।

4. अध्ययन उद्देश्य :

(i) नौकरी के प्रकार (कर्मचारी और प्रबंधक) के आधार पर काम के तनाव की पहचान करना है।
(ii) लिंग और वैवाहिक स्थिति के आधार पर काम के तनाव की पहचान करना है।
(iii) अधिक काम के घंटे का तनाव के आधार पर तनाव की पहचान करना है।
(iv) शारीरिक स्वास्थ्य लक्षण के आधार पर काम के तनाव की पहचान करना है।
(v) नौकरी से संतुष्टि और तकनीकी समस्या के आधार पर काम के तनाव की पहचान करना है।
(vi) अतिथि-संबंधी तनाव के आधार पर काम के तनाव की पहचान करना है।

5. तनाव के कारण :

नौकरी के प्रकार (कर्मचारी और प्रबंधक) के कारण तनाव

कर्मचारियों की तुलना में प्रबंधकों के बीच तनाव और नौकरी के प्रदर्शन के बीच एक नकारात्मक सहसंबंध दिखा है । आतिथ्य उद्योग में तनाव के संबंध में प्रबंधकों और कर्मचारियों के बीच वेतन वृद्धि, नौकरी की सुविधा, विकास के अवसरों की उपलब्धि के आधार पर तनाव में अंतर किया है, लेकिन उनकी अपेक्षाकृत उच्च स्तर की जिम्मेदारी और लंबे समय तक काम करने के कारण, होटल प्रबंधन की तुलना में कर्मचारियों में अधिक तनाव समस्या पायी जा सकती है।

लिंग या वैवाहिक स्थिति के कारण तनाव

इस अध्ययन में लिंग या वैवाहिक स्थिति के आधार पर कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया हालांकि होटल उद्योग में ऐसा कोई कारण मौजूद नहीं है, जो यह दर्शाता कि महिलाओं में पुरुषों की तुलना में अधिक तनाव होता है और विवाहित कर्मचारियों में अविवाहित लोगों की तुलना में अधिक तनाव होता है ।

काम के अधिक घंटों के कारण तनाव

तनाव की स्थिति होटल प्रबंधकों के लिए विकट प्रतीत होती है। प्रबंधकों को आमतौर पर उनके उच्च स्तर की जिम्मेदारी के कारण अधिक काम के तनाव का अनुभव हो सकता है प्रबंधकों बनाम प्रति घंटा कर्मचारियों द्वारा काम किए गए घंटों की अधिक संख्या, उनकी जिम्मेदारी के स्तर के साथ, प्रबंधकों के काम के तनाव के स्तर में योगदान दे सकती है। इस प्रकार, कर्मचारी तनाव, और विशेष रूप से प्रबंधकीय तनाव, आतिथ्य उद्योग के चिकित्सकों के लिए एक चिंता का विषय होना चाहिए। यदि होटल प्रबंधक लंबे समय घंटे काम कर रहे हैं, तो होटल के प्रबंधकों को काम के घंटे नहीं तो कर्मचारियों के तनाव को कम करने के तरीकों पर विचार करना चाहिए।

शारीरिक स्वास्थ्य के कारण तनाव

कार्यस्थल पर कर्मचारियों में तनाव अधिक नकारात्मक शारीरिक स्वास्थ्य लक्षणों अवसादग्रस्तता के लक्षण,थकावट में वृद्धि, कर्मचारी में कमी सीखने की क्षमता से जुड़े थे। इसके अलावा, सिरदर्द, थकान, अपच, अल्सर, रक्तचाप, दिल के दौरे, और स्ट्रोक, अधिक काम पर पारस्परिक तनाव नौकरी की कम संतुष्टि। ये परिणाम होटल उद्योग के कर्मचारियों में तनाव चिकित्सकों के लिए महत्वपूर्ण चिंताएं पैदा करते हैं। उच्च तनाव होने साथ कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल की चिकित्सकीय लागत अधिक हो सकती है। साथ ही कर्मचारियों के तनाव के कारण होटलों का कारोबार विकट प्रतीत होता है।

नौकरी से संतुष्टि और तकनीकी समस्या के कारण तनाव

काम पर अपेक्षाकृत अधिक पारस्परिक तनाव की शिकायत करने वाले होटल कर्मचारी अपनी नौकरी से काफी कम संतुष्ट थे और उनके वैकल्पिक रोजगार की चिंता, नौकरी छोड़ने का विचार करने की काफी अधिक संभावना थी। कर्मचारी न केवल अपनी नौकरी से कम

संतुष्ट हैं और अपनी नौकरी छोड़ने पर विचार करने की अधिक संभावना रखते हैं, इससे उनके स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ने की अधिक संभावना है।

सहकर्मचारी संबंध के कारण तनाव

इसमें देखा गया कि होटल कर्मचारी सहकर्मचारी समूह के साथ अधिक तनावग्रस्त होते हैं, होटल कर्मचारी 40 से 62 प्रतिशत दिनों में तनाव की शिकायत करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि कर्मचारियों में अतिथि-संबंधी तनावों और अन्य तनावों की तुलना में सहकर्मचारी संबंधी तनाव की अधिक शिकायत करते हैं। होटल उद्योग के कर्मचारियों में यह प्रतीत होता है कि सह कर्मचारियों के साथ काम करना कई बार चुनौतीपूर्ण और कठिन हो सकता है।

6. निष्कर्ष :

होटल उद्योग के कर्मचारियों में तनाव के संबंध में सामान्य रूप से उच्च तनाव, अधिकतम नकारात्मक शारीरिक स्वास्थ्य लक्षणों को प्रकट करता है। इस में नकारात्मक शारीरिक स्वास्थ्य लक्षणों और पारस्परिक समस्याओं से तनाव में संबंध पाया गया, मतलब तकनीकी समस्याओं के बजाय कर्मचारियों और सहकर्मियों में तनाव की समस्याओं को प्रकट करता है। इसलिए, यह संभव हो सकता है कि अन्य लोगों के साथ समस्याओं का होटल के कर्मचारियों की भावनाओं और कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर पर अधिक प्रभाव पड़ता है परिणामस्वरूप कर्मचारियों में लोगों के साथ समस्याएं, पारस्परिक तनाव, नौकरी से संतुष्टि और तकनीकी समस्याओं, काम के भार की समस्याओं, वैकल्पिक रोजगार, नौकरी छोड़ने पर विचार करने की समस्याओं की अधिक संभावना थी। काम पर अपेक्षाकृत अधिक तनाव की शिकायत करने वाले होटल कर्मचारी अपनी नौकरी से कम संतुष्ट थे और वैकल्पिक रोजगार का विचार करने की अधिक संभावना हैं। अत: ये मुद्दे होटल परिचालन में संभावित तनाव वृद्धि के कारण होटल उद्योग के लिए चिंता का विषय हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. जे..एस. माथुर: सेविवर्गीय प्रबन्ध एवं औद्योगिक सम्बन्ध (2001), विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
2. शर्मा,सुराणा : सेविवर्गीय प्रबंध व औधौगिक सम्बन्ध, रमेश बुक डिपो, जयपुर
3. सुधा, जी.एस. : मानव संसाधन प्रबन्ध(1999), नेशनल, जयपुर
4. जे.आर.कुम्मट : व्यवसाय प्रबन्ध एवं व्यवहार
5. सी.एच. नॉर्थकॉट : कार्मिक प्रबन्ध
6. भाटिया ए.के., बेसिक्स ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट, स्टर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट दिल्ली, 2010
7. भारत पर्यटन सांख्यिकी एक नजर में (2012)। बाजार अनुसंधान प्रभाग, पर्यटन मंत्रालय,भारत सरकार
8. जोधपुर टूरिस्ट गाइड
9. Sanjoy Roy, “Economic Importance of Tourism in India”,February 14, 2014.
10. Singh, P.K. (2008). HRM in Hotel and Tourism Industry, existing Trends and practices. New
11. Delhi: Kanishka Publications.
12. http://rajasthantourism.gov.in
13. http://www.rtdc.in
14. Zulfikar, M.(1998). Introduction to Tourism & Hotel Industry. New Delhi: Vikas Publishing House.
15. Anand Kumar (IAS) Joint Secretary , Ministry of Tourism (Kanchan Nath). classification beneficial for the Hotel Industry." Federation of Hotel and Restaurant Industry of India 12 November 2013: 30.
16. Devendra, Amitabh (2001) "The Hotel Industry in India -The Past and the Present," Journal of Hospitality Financial Management: Vol. 9: Iss. 1, Article 7.